चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 14 अगस्त 2026, अंक –336.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

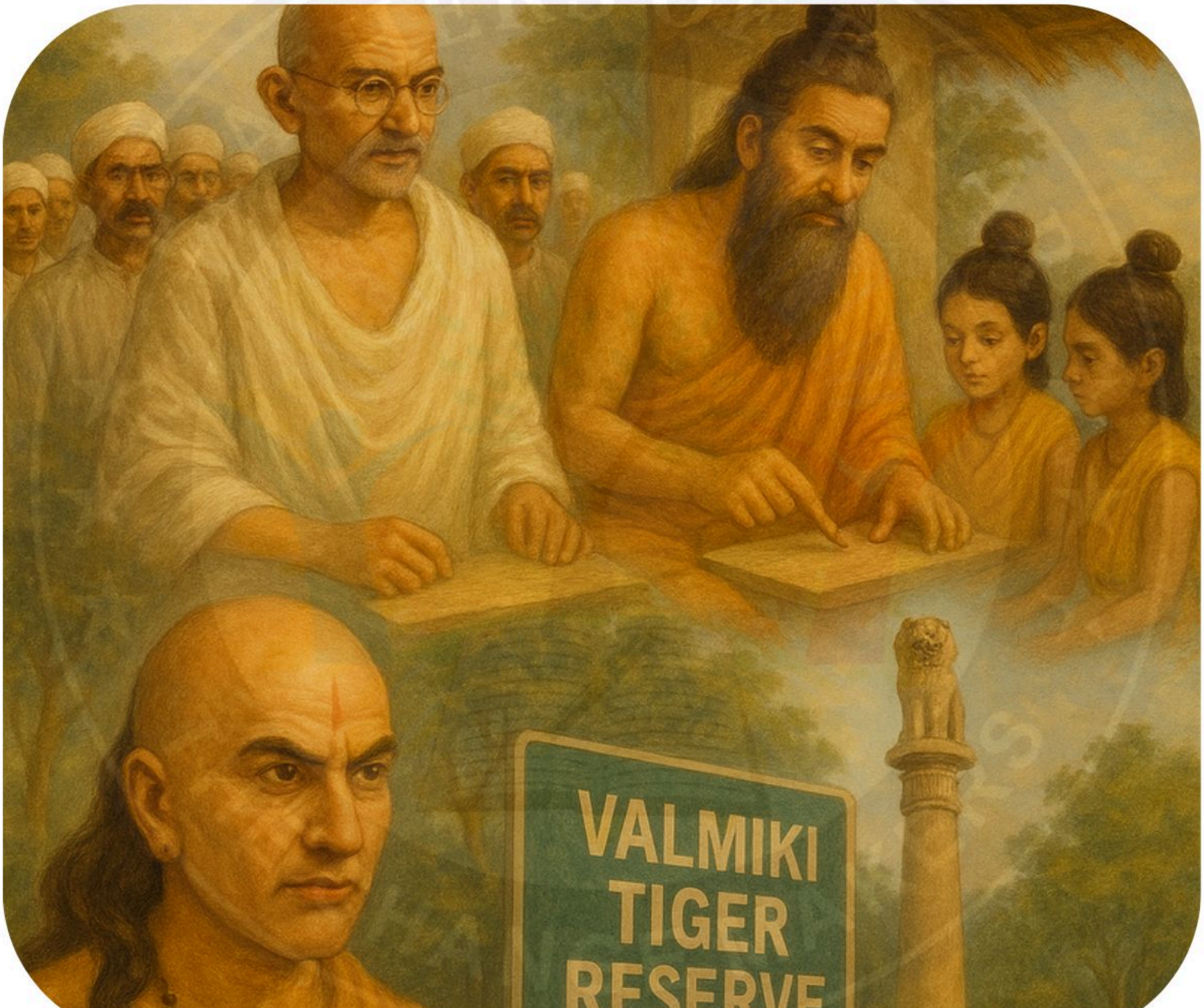

"बिना विचार के सीखना व्यर्थ है।"

— कन्फ्यूशियस

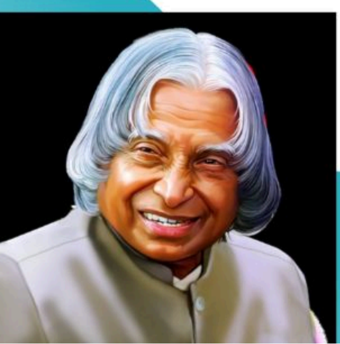

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

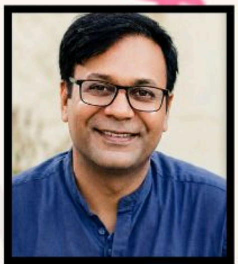

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मोरक्को की राजधानी क्या है?
उत्तर: रबात
प्रश्न 2. ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?
उत्तर: कर्णम मल्लेश्वरी
प्रश्न 3. 'रास गरबा' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 4. सबसे छोटी भाज्य (संयुक्त) संख्या कौन-सी है?
उत्तर: 4
प्रश्न 5. बिहार की कौन-सी नदी 'बिहार का शोक' कहलाती है?
उत्तर: कोसी
प्रश्न 6. भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: मुंगेर
Bihar Tourism
प्रश्न 7. यांत्रिक कैलकुलेटर 'पास्कलीन' का निर्माण किसने किया था?
उत्तर: ब्लेज़ पास्कल
प्रश्न 8. भारत में पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा किस संविधान संशोधन से मिला?
उत्तर: 73वाँ संशोधन
प्रश्न 9. 'देव + आलय' से बना शब्द क्या है?
उत्तर: देवालय
प्रश्न 10. दूध को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उसे गर्म करके तुरंत ठंडा करने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
उत्तर: पाश्चुरीकरण

संकलन:-
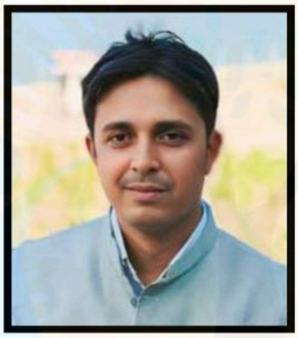
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Sieve – (सिव) – छलनी
Tongs – (टॉन्ग्स) – चिमटा
Spatula – (स्पैचुला) – पलटा / करछुल
Canister – (कैनिस्टर) – सामग्री रखने का डिब्बा
Whisk – (व्हिस्क) – फेंटनी
Grinder Jar – (ग्राइंडर जार) – मिक्सर का जार
Trivet – (ट्रिवेट) – गर्म बर्तन रखने का स्टैंड

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “कौन ... करेगा/करेगी?” (Who will ...?)

कौन तुम्हारी मदद करेगा? – Who will help you?
कौन खाना बनाएगा? – Who will cook food?
कौन दरवाज़ा खोलेगा? – Who will open the door?
कौन अंग्रेज़ी पढ़ाएगा? – Who will teach English?
कौन तुम्हारे साथ खेलेगा? – Who will play with you?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 14 अगस्त को पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है — 2026 में यह कौन सी वर्षगाँठ है और भारत-पाकिस्तान को एक दिन के अंतर पर स्वतंत्रता क्यों मिली? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: 79वीं वर्षगाँठ; माउंटबेटन दोनों समारोह में जाना चाहते थे
व्याख्या: 14 अगस्त 1947 को पाकिस्तान को स्वतंत्रता मिली थी — 2026 में 79वीं वर्षगाँठ है। (Encyclopedia Britannica) विभाजन से लगभग 14 मिलियन लोग विस्थापित हुए और 2 मिलियन तक मारे गए — मानव इतिहास का सबसे बड़ा सामूहिक पलायन। (Encyclopedia Britannica) माउंटबेटन ने पाकिस्तान का समारोह एक दिन पहले (14 अगस्त) इसलिए रखा ताकि वे दोनों देशों के समारोह में उपस्थित हो सकें — कराची 14 अगस्त और दिल्ली 15 अगस्त (मध्यरात्रि)। पाकिस्तान आंदोलन के नेता मुहम्मद अली जिन्ना को "क़ायद-ए-आज़म" (महान नेता) कहते हैं। 1940 का "लाहौर प्रस्ताव" पाकिस्तान की माँग की नींव था।
संदर्भ: britannica.com Pakistan Independence Day 2026;

प्र.2. 15 अगस्त 2026 को भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर पहली बार लाल किले से कौन सा विशेष गायन होगा और इस वर्ष की थीम क्या है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: वंदे मातरम् (पहली बार); "युवा शक्ति — विकसित भारत@2047"
व्याख्या: 15 अगस्त 2026 को भारत के 80 वर्षों के इतिहास में पहली बार "वंदे मातरम्" लाल किले की प्राचीर से गाया जाएगा — जब प्रधानमंत्री मोदी मंच पर पहुँचेंगे। (Globalgovernancenews) यह 2026 में "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में है। 2026 के उत्सव की थीम "150 Years of Vande Mataram" और "Yuva Shakti for Viksit Bharat@2047" है। (newsonair) 2,500 NCC कैडेट और MY Bharat स्वयंसेवक "Vande Mataram" शब्द बनाएँगे और IAF का Mi-17 हेलीकॉप्टर फूलों की वर्षा करेगा। (Globalgovernancenews) 2026 के ओलंपियाड में पदक जीते 19 छात्र लाल किले पर विशेष अतिथि होंगे।
संदर्भ: wionews.com Vande Mataram Red Fort Independence Day 2026;

प्र.3. "वंदे मातरम्" की पहली पंक्ति का अर्थ क्या है और इसे पहली बार किस कांग्रेस अधिवेशन में गाया गया था? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: "मैं तुझे नमस्कार करता हूँ, माँ"; 1896 का कांग्रेस कलकत्ता अधिवेशन
व्याख्या: "वंदे मातरम्" (Vande Mataram) का शाब्दिक अर्थ है — "मैं माँ (मातृभूमि) को नमस्कार करता हूँ" (I bow to thee, Mother)। यह संस्कृत और बंगाली के मिश्रण में लिखा गया है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसे 1875 में रचा और 1882 में "आनंदमठ" उपन्यास में प्रकाशित किया। यह पहली बार 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा गाया गया था। (Globalgovernancenews) 1950 में इसे भारत का राष्ट्रगीत घोषित किया गया। "जन गण मन" राष्ट्रगान है जबकि "वंदे मातरम्" राष्ट्रगीत है — दोनों का समान आधिकारिक सम्मान है। "वंदे मातरम्" का अनुवाद अरविंद घोष ने अंग्रेजी में किया था।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 14;

प्र.4. "स्वतंत्र भारत" में प्रथम स्वास्थ्य मंत्री कौन थे जिन्होंने "राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति" की नींव रखी और "पेयजल एवं स्वच्छता" को प्राथमिकता दी? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: राजकुमारी अमृत कौर
व्याख्या: राजकुमारी अमृत कौर (1889-1964) स्वतंत्र भारत की प्रथम स्वास्थ्य मंत्री थीं (1947-1957 — 10 वर्ष)। वे महात्मा गाँधी की अनुयायी थीं और अपना राजसी परिवार छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुई थीं। उन्होंने भारत में "अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान" (AIIMS, नई दिल्ली, 1956) की स्थापना में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने "राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम", "पेयजल शुद्धता मानक" और "मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य" कार्यक्रमों की नींव रखी। वे WHO (विश्व स्वास्थ्य सभा) की अध्यक्ष बनने वाली पहली एशियाई महिला थीं (1950)।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Ch 15 Framing the Constitution;

प्र.5. "भारत के विभाजन" (Partition of India, 1947) के लिए "माउंटबेटन योजना" (Mountbatten Plan) कब घोषित हुई और "रेडक्लिफ रेखा" किसने खींची? (इतिहास)
उत्तर: 3 जून 1947; सर सिरिल रेडक्लिफ
व्याख्या: भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 18 जुलाई 1947 को पारित हुआ। (AnydayGuide) इससे पूर्व 3 जून 1947 को वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने विभाजन की "तृतीय जून योजना" (Mountbatten Plan) घोषित की। "सर सिरिल रेडक्लिफ" को सीमा निर्धारण आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने केवल 5 सप्ताह में पंजाब और बंगाल को विभाजित करते हुए "रेडक्लिफ रेखा" (Radcliffe Line) खींची — जो भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा बनी। इस विभाजन से लगभग 1.4 करोड़ लोग विस्थापित हुए — मानव इतिहास का सबसे बड़ा पलायन। (Encyclopedia Britannica) रेडक्लिफ रेखा 17 अगस्त 1947 को सार्वजनिक की गई।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Ch 14 Understanding Partition, p. 358–367;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना" किस वर्ष हुई और उस समय भारत की जनसंख्या कितनी थी? (भूगोल)
उत्तर: 1951 में; लगभग 36.1 करोड़
व्याख्या: स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना 1951 में हुई जिसमें जनसंख्या लगभग 36.1 करोड़ (361 मिलियन) थी। 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत की जनसंख्या लगभग 34-35 करोड़ थी — विभाजन के बाद पाकिस्तान की ओर गई जनसंख्या को हटाने पर। 2011 की जनगणना में 121 करोड़ और 2026 के अनुमान के अनुसार लगभग 143-145 करोड़ है। 75 वर्षों में भारत की जनसंख्या 4 गुना से अधिक बढ़ी। "जनसांख्यिकीय संक्रमण" (Demographic Transition) में भारत वर्तमान में तृतीय चरण (घटती जन्म दर, घटती मृत्यु दर) में है। 2023 में भारत ने चीन को पीछे छोड़ सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का रिकॉर्ड बनाया।
संदर्भ: NCERT Social Science Class 9, Ch 6 Population, p. 63–68;

प्र.7. "स्वतंत्र भारत का संविधान" किसने प्रारूपित किया और यह कब प्रभावी हुआ? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: डॉ. भीमराव अंबेडकर (प्रारूप समिति के अध्यक्ष); 26 जनवरी 1950
व्याख्या: स्वतंत्र भारत के संविधान की "प्रारूप समिति" (Drafting Committee) के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे — इसीलिए उन्हें "भारत के संविधान के निर्माता" (Father of the Indian Constitution) कहते हैं। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। संविधान का निर्माण: 9 दिसंबर 1946 (संविधान सभा की प्रथम बैठक) से 26 नवंबर 1949 (अंगीकरण) तक — 2 वर्ष 11 माह 18 दिन। 26 जनवरी 1950 को यह प्रभावी हुआ। 26 जनवरी का चयन इसलिए: 1930 में इसी दिन "पूर्ण स्वराज दिवस" घोषित किया गया था। मूल संविधान में 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ और 22 भाग थे।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 1, p. 5–12;

प्र.8. "स्वच्छ जल" की वैज्ञानिक परिभाषा क्या है और WHO के अनुसार पेयजल के मानकों में कितने रासायनिक मापदंड होते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: रंगहीन, गंधहीन, स्वादहीन, शून्य कोलीफॉर्म; WHO में 96+ रासायनिक मापदंड
व्याख्या: वैज्ञानिक दृष्टि से "स्वच्छ पेयजल" (Safe Drinking Water) की परिभाषा है — वह जल जिसमें: (1) भौतिक गुण: रंगहीन (turbidity <1 NTU), गंधहीन, स्वादहीन; (2) रासायनिक गुण: pH 6.5-8.5, कुल घुलित ठोस (TDS) <500 mg/L, आर्सेनिक <0.01 mg/L, फ्लोराइड <1.5 mg/L, नाइट्रेट <50 mg/L; (3) जैविक गुण: कोलीफॉर्म जीवाणु = शून्य। WHO के "Guidelines for Drinking-water Quality" (GDWQ, 4th Edition) में 96 से अधिक रासायनिक मापदंड हैं। BIS (IS 10500:2012) भारत का पेयजल मानक है। 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर स्वच्छ जल का संकल्प — "हर घर नल, हर घर जल" — राष्ट्र-निर्माण का प्रतीक है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water;

प्र.9. "राजा रवि वर्मा" (Raja Ravi Varma) को "भारत के राफेल" क्यों कहा जाता है और उनकी कौन सी चित्रकृति सर्वाधिक प्रसिद्ध है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: यूरोपीय तकनीक से भारतीय पौराणिक विषयों का चित्रण; "शकुंतला पत्र लिखती हुई"
व्याख्या: राजा रवि वर्मा (1848-1906) केरल के चित्तूर में जन्मे — उन्हें "भारत के राफेल" (Raphael of India) कहा जाता है क्योंकि उन्होंने इटालियन "तैल-चित्रकारी" (Oil Painting) की यूरोपीय तकनीक को भारतीय पौराणिक विषयों — रामायण, महाभारत, पुराणों — के चित्रण में अनुप्रयुक्त किया। उनकी सर्वाधिक प्रसिद्ध कृति "शकुंतला पत्र लिखती हुई" (Shakuntala Writing a Letter, 1870) है जो कालिदास के "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" से प्रेरित है। उनके प्रिंट (Oleographs) ने पहली बार भारतीय घरों में देवी-देवताओं के चित्र का लोकप्रिय प्रसार किया। राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा (NGMA) में उनकी 20 से अधिक कृतियाँ सुरक्षित हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 11 Modern Indian Art, p. 150–153;

प्र.10. स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को कौन सा ऐतिहासिक भाषण दिया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी" (Tryst with Destiny)
व्याख्या: जवाहरलाल नेहरू ने 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को संविधान सभा में "Tryst with Destiny" (नियति से मिलन) का ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें उन्होंने कहा: "वर्षों पहले हमने नियति से एक वचन लिया था, और अब समय आ गया है कि हम अपना वचन पूरा करें..." यह भाषण विश्व के सबसे महान राजनीतिक भाषणों में से एक माना जाता है। बिहार के संदर्भ में — नेहरू के चंपारण सत्याग्रह (1917) से घनिष्ठ संबंध थे जहाँ से गाँधीजी का स्वतंत्रता आंदोलन एक नई दिशा में बढ़ा। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर इस भाषण का स्मरण अत्यंत प्रासंगिक है।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Ch 15 Framing the Constitution, p. 373; Constituent Assembly Debates, 14-15 August 1947;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार – 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर विद्यालय में "स्वच्छ जल संकल्प" (Clean Water Pledge) के अंतर्गत बच्चों से क्या प्रतिज्ञा दिलाई जानी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: स्वच्छ जल पीएँगे, जल प्रदूषित नहीं करेंगे, दूसरों को भी जागरूक करेंगे, जल बचाएँगे

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार, 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का अवसर बच्चों में "स्वच्छ जल संकल्प" दिलाने का सर्वोत्तम दिन है। प्रतिज्ञा के बिंदु: (1) "मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि हमेशा शुद्ध और उबला हुआ जल पीऊँगा/पीऊँगी"; (2) "मैं नदी, तालाब या जल-स्रोत को प्रदूषित नहीं करूँगा/करूँगी"; (3) "मैं अपने परिवार और पड़ोसियों को पेयजल शुद्धता के बारे में जागरूक करूँगा/करूँगी"; (4) "मैं जल की बर्बादी नहीं करूँगा/करूँगी"; (5) "मैं अपने विद्यालय में WASH कोने की स्वच्छता बनाए रखूँगा/रखूँगी।" यह संकल्प "जल जीवन मिशन" और "स्वच्छ भारत अभियान" की भावना के अनुरूप है।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W2 – "पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय"; bsdma.org; Jal

प्र.12. भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली। इस दिन से 15 अगस्त 2026 तक कितने वर्ष, महीने और दिन बीते – और 2026 तक कुल कितने स्वतंत्रता दिवस मनाए जा चुके होंगे? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 79 वर्ष पूर्ण; 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा

व्याख्या: 15 अगस्त 1947 से 15 अगस्त 2026 तक = 79 वर्ष पूर्ण। 15 अगस्त 2026 को 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा (गणना: 1947 का प्रथम स्वतंत्रता दिवस, 1948 = दूसरा... 2026 = 80वाँ)। महत्वपूर्ण भ्रम दूर करें: 2026 में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस है, न कि 79वाँ – क्योंकि 1947 का पहला दिवस भी गिना जाता है। जैसे किसी का पहला जन्मदिन जन्म के एक वर्ष बाद होता है, वैसे ही 2026 में 79 वर्ष बाद 80वाँ स्वतंत्रता दिवस है। यह "गणना क्रम" (Ordinal vs Cardinal Counting) की अवधारणा BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं के तर्क खंड में पूछी जाती है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 1 Knowing Our Numbers – Ordinal and Cardinal Numbers;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

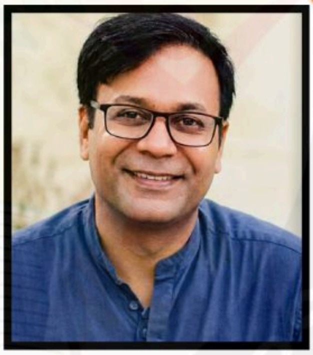

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fickle (फिकल) = Inconstant (इनकॉन्स्टन्ट) = चंचल / अस्थिर / जल्दी बदलने वाला
- Antonym – Steadfast (स्टेडफास्ट) = दृढ़ / अटल

Gregarious (ग्रिगेरियस) = Sociable (सोशेबल) = मिलनसार / सामाजिक
- Antonym – Solitary (सॉलिटरी) = एकाकी

Hapless (हैप्लेस) = Unfortunate (अनफॉर्चुनेट) = अभागा / दुर्भाग्यपूर्ण
- Antonym – Fortunate (फॉर्चुनेट) = भाग्यशाली

Inimical (इनिमिकल) = Hostile (हॉस्टाइल) = प्रतिकूल / शत्रुतापूर्ण
- Antonym – Favorable (फेवरेबल) = अनुकूल

Judicious (जुडिशस) = Prudent (प्रूडेन्ट) = विवेकपूर्ण / समझदार
- Antonym – Imprudent (इम्प्रूडेन्ट) = अविवेकी

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Semiconductor and Quantum AI Mission Phase-V' to Boost Domestic Chip Fabrication.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने घरेलू चिप निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर एवं क्वांटम एआई मिशन चरण-V' का अनावरण किया।
केंद्र सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और एआई सुपरकंप्यूटिंग अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए मिशन के नए चरण की घोषणा की है। इस पहल के तहत उन्नत सिलिकॉन वेफर फाउंड्रीज, फैब्रिकेशन (Fab) इकाइयों और एआई-चिप डिजाइनिंग स्टार्टअप्स को विशेष प्रोत्साहन एवं वित्तीय अनुदान प्रदान किया जाएगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Urban Mobility and Logistics Index 2026', Highlighting Clean Energy Integration.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत शहरी गतिशीलता एवं लॉजिस्टिक्स सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा एकीकरण को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में मेट्रो कनेक्टिविटी के विस्तार, वाणिज्यिक वाहनों के विद्युतीकरण (EVs) और लॉजिस्टिक्स पार्कों में सौर ऊर्जा के उपयोग के मामले में गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह रिपोर्ट शहरी परिवहन में कार्बन पदचिह्न (Carbon Footprint) को घटाने के प्रयासों का आकलन करती है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Flight Acceptance Testing of Indigenously Developed Semi-Cryogenic Engine Stage.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने स्वदेशी रूप से विकसित सेमी-क्रायोजेनिक इंजन चरण का उड़ान स्वीकृति परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल हॉट परीक्षण संपन्न किया। यह तकनीक भविष्य के भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता में वृद्धि करेगी, जिससे भारत के गगनयान और वाणिज्यिक अभियानों को गति मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Milestone Resolution Establishing Global Safety Guidelines for Space Debris Mitigation and Satellite Disposal.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने और उपग्रह निपटान के लिए वैश्विक सुरक्षा दिशानिर्देश स्थापित करने वाला ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के विशेष सत्र के दौरान सदस्य राष्ट्रों ने पृथ्वी की निम्न कक्षा (LEO) में मलबे के संचय को रोकने के लिए एक सर्वसम्मत अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढांचे को मंजूरी दी। इसके तहत वाणिज्यिक और सरकारी उपग्रह ऑपरेटरों के लिए सेवा समाप्त होने के बाद उपग्रहों का सुरक्षित डी-ऑर्बिटिंग (De-orbiting) अनिवार्य किया गया है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Announce Joint $2.6 Billion Fund for South Asian Clean Energy Corridors.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशियाई स्वच्छ ऊर्जा गलियारों के लिए संयुक्त $2.6 बिलियन के कोष की घोषणा की।
दक्षिण एशिया में हरित ऊर्जा संक्रमण को गति देने के लिए एक बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज मंजूर किया गया है। इस कोष का उपयोग मुख्य रूप से भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच अंतर-देशीय सौर तथा जलविद्युत पारेषण (Transmission) लाइनों के आधुनिकीकरण और सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाने में किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Surveillance Grid 3.0' for Disease Outbreak Early Warning.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने संक्रामक प्रकोपों की पूर्व चेतावनी के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स सर्विलांस ग्रिड 3.0' की शुरुआत की।
वैश्विक स्तर पर उभरते संक्रामक रोगों और उनके म्यूटेशन की रीयल-टाइम निगरानी के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस डिजिटल निगरानी मंच का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोम अनुक्रमण डेटा का विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों को समय से पहले चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Mega Food Logistics Policy 2026' to Subsidize Rural Agro-Units.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण कृषि-इकाइयों को सब्सिडी प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण एवं मेगा खाद्य लॉजिस्टिक्स नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके अंतर्गत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के मूल्य संवर्धन (Value Addition), कोल्ड स्टोरेज निर्माण और सीधे निर्यात में लगी कृषि इकाइयों को रियायती दरों पर भूमि और वित्तीय सब्सिडी दी जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetland Ecosystems in Gandak-Kosi Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक-कोसी बेसिन की आर्द्रभूमियों की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग और जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना और भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Clinches Gold and Silver Medals in Compound Events at World Archery Competition.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना उत्कृष्ट फॉर्म जारी रखा है। पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत तथा टीम स्पर्धाओं में सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय दल ने पदक तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Unveils Updated Athlete Workload and Recovery Guidelines for Enhanced Player Safety.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने खिलाड़ी सुरक्षा के लिए अद्यतन एथलीट कार्यभार और रिकवरी दिशानिर्देश जारी किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस बनाए रखने और चोटों से बचाव के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ ने नए तकनीकी नियम लागू किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत मेडिकल रिकवरी प्रोटोकॉल को अनिवार्य बनाया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

🇮🇳 आज़ादी का मूल्य

विद्यालय में 15 अगस्त की तैयारियाँ चल रही थीं। बच्चे तिरंगे झंडे और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र बना रहे थे। तभी मालती मैडम ने बच्चों से पूछा, “बच्चों, क्या तुम जानते हो कि आजादी का असली मूल्य क्या है?”

अजय ने तुरंत कहा, “मैडम, आजादी का मतलब है कि हम अपनी इच्छा से जी सकते हैं।”

मालती मैडम बोलीं, “बिल्कुल, लेकिन यह आजादी हमें आसानी से नहीं मिली। इसके पीछे लाखों लोगों का संघर्ष, त्याग और बलिदान छिपा है।”

उन्होंने बच्चों को एक घटना सुनाई। स्वतंत्रता आंदोलन के समय एक छोटे से गाँव में एक बुजुर्ग स्वतंत्रता सेनानी रहते थे। उनके घर में बहुत कम सामान था, लेकिन वे तिरंगे को बड़े सम्मान से रखते थे। एक दिन एक बच्चे ने उनसे पूछा, “बाबा, आपके पास इतना कम सामान है, फिर भी आप इतने खुश क्यों रहते हैं?”

बुजुर्ग ने मुस्कुराकर कहा, “बेटा, मेरे पास आजादी है। तुम्हें शायद इसकी कीमत का अंदाजा नहीं है। एक समय था जब अपने ही देश में अपनी बात कहने की आजादी नहीं थी। आज तुम स्वतंत्र हवा में साँस लेते हो, अपनी भाषा में पढ़ते हो और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर पाते हो। यही सबसे बड़ी संपत्ति है।”

बच्चे ने पूछा, “तो हमें आजादी की रक्षा कैसे करनी चाहिए?”

बुजुर्ग बोले, “अपने देश का सम्मान करके, कानून का पालन करके, ईमानदारी से अपना काम करके और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करके।”

कहानी समाप्त करते हुए मालती मैडम ने कहा, “बच्चों, स्वतंत्रता केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने का संकल्प भी है।”

सभी बच्चों ने तिरंगे की ओर देखकर संकल्प लिया कि वे देश की एकता, शांति और सम्मान की रक्षा करेंगे।

संदेश: “आजादी केवल अधिकार नहीं, अनगिनत बलिदानों की विरासत और हमारी जिम्मेदारी है।”

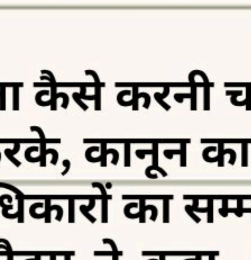

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- • यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- • शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : गया, अंक–3"

'संपादकीय' ✍️

शीर्षक: गया: अंतरराष्ट्रीय पर्यटन आर्थिकी, तिलकुट का स्वाद और भावी विकास

गया की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके वैश्विक बौद्ध मोनेस्ट्रीज़, पावन मंदिरों, सूफी दरगाहों और स्थानीय लोक-जीवन में धड़कता है। बोधगया में थाईलैंड, जापान, भूटान, श्रीलंका और वियतनाम जैसे देशों द्वारा निर्मित विशाल बौद्ध मंदिर और विश्व की सबसे ऊँची बुद्ध प्रतिमाएँ संपूर्ण शहर को एक अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कैनवास का रूप देती हैं। इसके साथ ही, शहर का हज़रत अता हुसैन फानी का खानकाह और जामा मस्जिद सांप्रदायिक सौहार्द का एक मजबूत प्रतीक हैं, जो गयाजी की महान समरसता को सुदृढ़ बनाते हैं।

आर्थिक और औद्योगिक मोर्चे पर गया की सबसे बड़ी पहचान यहाँ का अंतरराष्ट्रीय पर्यटन उद्योग (International Tourism Industry) और प्रसिद्ध मिष्ठान आर्थिकी है। बोधगया का पर्यटन उद्योग होटल, हस्तशिल्प, गाइड सेवाओं और परिवहन के माध्यम से हज़ारों स्थानीय परिवारों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आजीविका प्रदान करता है।

कुटीर उद्योग और स्वादिष्ठ खान-पान की बात करें तो गया का 'तिलकुट' (Tilkut Industry) और 'अनरसा' पूरे देश में अपनी बेजोड़ बनावट, सोंधे स्वाद और औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। टिकारी रोड और रमना रोड के कारीगर पीढ़ियों से तिल और गुड़/चीनी के बारीक ताने-बाने से इसे तैयार करते हैं, जिसका शीतकालीन व्यापार करोड़ों रुपये का है। इसके साथ ही, मानपुर का 'हैंडलूम और पावरलूम वस्त्र क्लस्टर' (जिसे 'बिहार का मंचेस्टर' भी कहा जाता है) स्थानीय बुनकर समाज की आजीविका की रीढ़ है।

ढांचागत सुविधाओं और वैश्विक कनेक्टिविटी के मामले में गया बिहार का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र है। गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (Gaya Airport) और गया जंक्शन का पूर्व-मध्य रेलवे में सामरिक महत्व इसे दक्षिण-पूर्व एशिया से सीधे जोड़ता है। फल्गु नदी पर निर्मित भारत के सबसे लंबे रबर डैम 'गयाजी डैम' (Gayaji Dam) ने श्रद्धालुओं के लिए वर्ष भर फल्गु के पावन जल की उपलब्धता सुनिश्चित कर जल-प्रबंधन और शहरी विकास का एक ऐतिहासिक मॉडल पेश किया है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो गया में 'बौद्ध सर्किट पैकेजिंग', 'हैंडलूम एक्सपोर्ट हब' और 'ग्रीन टूरिज्म' की अपार संभावनाएं हैं। अमृतसर-दिल्ली-कोलकाता औद्योगिक गलियारे (ADKIC) के अंतर्गत डोभी (Dobhi) में एकीकृत इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का विकास संपूर्ण मगध क्षेत्र के औद्योगिकीकरण और युवाओं के रोज़गार का सबसे बड़ा इंजन बनने जा रहा है।

गया का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने पौराणिक मोक्ष-बोध और बोधि-ज्ञान की अमर ज्योति के साथ-साथ आधुनिक व्यापार, ढांचागत विकास और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के बल पर बिहार को वैश्विक पटल पर गौरवान्वित कर रहा है। बोधि वृक्ष की शांति से लेकर मानपुर के लूम्स की खट-खट तक, तिलकुट की मिठास से लेकर डोभी के औद्योगिक भविष्य तक—गयाजी परंपरा और आधुनिकता का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

…………✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org